ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

विषय- हिंदी **कक्षा- आठ Assignment** जुलाई **-2021-22**

प्रश्न-**1** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निंदा भी होती है लेकिन इसमें वह मज़ा नहीं जो मिशनरी भाव से निंदा करने में आता है। इस प्रकार का निंदक बड़ा दु:खी होता है। ईर्ष्या-द्वेष से चौबीसों घंटे जलता है और निंदा का जल छिड़ककर कुछ शांति अनुभव करता है। ऐसा निंदक बड़ा दयनीय होता है। अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की क्षमता को देखकर सारी रात श्वान जैसा भौंकता है। ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निंदक को कोई दंड देने की ज़रूरत नहीं है। वह निंदक बेचारा स्वयं दण्डित होता है। आप चैन से सोइए और वह जलन के कारण सो नहीं पाता। उसे और क्या दंड चाहिए ? निरंतर अच्छे कार्य करते जाने से उसका दंड भी सख्त होता जाता है जैसे एक कवि ने एक अच्छी कविता लिखी, ईर्ष्याग्रस्त निंदक को कष्ट होगा। अब अगर एक और अच्छी लिख दी तो उसका कष्ट दोगुना हो जाएगा।

(क) ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निंदा तथा मिशनरी भाव से निंदा करने में क्या अंतर है ?
(ख) निंदक को दंड देने की आवश्यकता क्यों नहीं होती ?
(ग) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न-**2** निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क) वर्तमान समय में 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ कितना प्रासंगिक है ?
ख) 'भगवान के डाकिए' कविता से क्या संदेश मिलता है ?
ग) भगवान के डाकिए का कार्य कौन कौन करता है ?

प्रश्न-**3** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखें -

(क) निम्न शब्दों में संधि कीजिए |
1) अति + अधिक
2) प्रति + अक्ष
3) प्रति + आघात
4) अति + अंत

(ख) निम्न वाक्यों में अव्यय शब्द रेखांकित कर भेद भी लिखें |
1) आज शाम को वर्षा हो सकती है |
2) कछुआ धीरे-धीरे चलता है।
3) सूरज निकला और पंछी बोलने लगे।
4) वर्षा तेज हो रही है |

प्रश्न-**4** "पुस्तकों का महत्व ' विषय पर **80 - 100** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए**।**

प्रश्न-**5** अपने मित्र को पत्र **लिखकर नियमित योग के लाभ बताएँ।**